grievances and complaints which related, *inter alia*, to personal and local grievances of government servants; demands of industrial employees for better service conditions; and various other local and administrative matters. Most of these demands had already been considered and disposed of. However, individual complaints were referred to the Administration for appropriate action, where necessary.

**Central Wakf Council**

**2046. Shri Rameshwar Tantia:** Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Wakf Council has recommended the appointment of a Committee to examine the present state of religious education given to Muslims in the country;

(b) if so, the terms of reference of the Committee;

(c) what are the other suggestions made by the Council; and

(d) how far they are acceptable to Government?

**The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir):** (a) Yes, Sir.

(b) The constitution of the Committee and its terms of reference are under consideration.

(c) A copy of the other resolutions passed by the Council is placed on the Table of the House. [*Placed in Library, see* No. LT-4153/65].

(d) The Central Government generally approve of the resolutions passed by the Council.

**पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थी**

2047. **श्री मधु लिमये :**
**श्री किशन पटनायक :**
**श्री रामेश्वरानन्द :**

क्या **पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभाजन के बाद 31 दिसम्बर, 1963 तक त्रिपुरा के संघ राज्य क्षेत्र में पूर्वी पाकिस्तान से कुल कितने शरणार्थी आये; और

(ख) इनमें से कितने शरणार्थियों को बसाया जा चुका है और कितने अभी भी शरणार्थी शिविरों में हैं ?

**पुनर्वास मंत्री (श्री त्यागी) :** (क) लगभग 4 लाख ।

(ख) 9,883 व्यक्ति जो जायदादें तब्दील कर के आये थे उनके अलावा 192 व्यक्तियों को पी० एल० होमज़ पश्चिम बंगाल में भेज दिया गया था । 3.23 लाख विस्थापित व्यक्तियों को किसी न किसी रूप में पुनर्वास सहायता दी गई थी जो 31 दिसम्बर, 1963 तक आये थे, उनमें से कोई भी शिविरों में नहीं हैं ।

**सिनेमाघरों में राष्ट्र गीत का गायन**

2048. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री बड़े :**
**श्री ओंकार लाल बेरवा :**

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सिनेमाघरों में खेल के अन्त में राष्ट्रगीत के समय बहुत कम लोग रुकते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार चलचित्र आरम्भ होने से पूर्व और वृत्त-चित्र के अन्त में राष्ट्र गीत के गायन की व्यवस्था करने पर विचार करेगी, जिससे कि राष्ट्रगीत और राष्ट्र-ध्वज का सम्मान बना रहे; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र)** : (क) जब सिनेमा-घरों में राष्ट्र गीत बजाया जाता है, तब आम तौर पर सभी लोग खड़े हो जाते हैं और मर्यादा बनाए रखते हैं ।

(ख) और (ग). जिन उत्सवों में राष्ट्र गीत बजाया या गाया जाता है उनके बारे में सामान्य प्रथा यह है कि इसे प्रारम्भ में या अन्त में रखा जाता है । राष्ट्र गीत को सिनेमा की शो के शुरू में रखने से गड़बड़ी पैदा होगी, खास तौर पर इसलिये कि बहुत से लोग देर में अन्दर आयेंगे और हाल में हलचल रहेगी । इसलिये यह समझा गया कि सिनेमा शो का अन्त ही राष्ट्र गीत के लिए सब से अच्छा समय है । शो समाप्त होते ही सब लोग खड़े हो जाते हैं और जब तक राष्ट्र गीत बजता है तब तक खड़े रहना उनके लिए कठिन नहीं होता ।

**डाकुओं को हथियारों की सप्लाई**

2049. **श्री मधु लिमये** :
**श्री किशन पटनायक** :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान "इंडियन एक्सप्रेस" (बम्बई संस्करण, दिनांक 11 मार्च, 1965) में प्रकाशित लखनऊ के इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि डाकुओं को हथियार सप्लाई करने का काम उत्तर भारत में बड़े पैमाने पर और संगठित ढंग से किया जा रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कुछ भूतपूर्व सैनिक भी यह समाज विरोधी कार्य कर रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ऐसी हरकतों को रोकने के लिए क्या उपाय कर रही है ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हाथी)** : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग). सूचना एकत्रित की जा रही है और सदन के सभा-पटल पर रख दी जायगी ।

**Bricks and Cement for Plot Holders in Delhi**

**2050. Shri Shiv Charan Gupta:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in 1964 Government notified for acquisition of developed plots in Delhi;

(b) if so, when and the number of such plots;

(c) the number of cases where the plot holders approached Delhi Administration by the 31st December, 1964 for release of bricks and cement;

(d) the number of cases where Delhi Administration issued permits to meet 25 per cent, 50 per cent and 100 per cent requirements by the 31st December, 1964;

(e) the steps taken to provide building material to the remaining applicants; and

(f) the steps Government propose to take in respect of plots for which plot holders have not applied for release of bricks and cement by the 31st December, 1964?

**The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra):** (a) and (b). Yes, Sir. The Delhi Administration notified its intention to acquire about 18,000 vacant plots under Section 4 of the land Acquisition Act, 1894, *vide*, their Notification dated the 21st March, 1964 and 16th April, 1964, in fully developed and partly developed colonies in the urban areas of Delhi.

(c) 6516 applications for cement and bricks for new constructions were registered from 21st March 1964 to 31st December, 1964.

(d) So far as bricks are concerned, there are adequate stocks and permits were issued to the parties according to their requirements. In the case of